24|02|2026

IQAC WORKSHOP REPORT:

As decided in the IQAC meeting of 21st of Feb. 2026 and approved by the Principal, Prof. S. S. Rawat, sir:

A workshop was organised in the college auditorium under the aegis of the Internal Quality Assurance Cell (IQAC)

The workshop was conducted in reference to the letter received from the Directorate regarding reopening of the Samarth Portal for correction and uploading of Data and Documents. The UGC guidelines for the same and the precautions to be taken ~~[illegible]~~ while uploading the Data and documents on Samarth Portal ~~[illegible]~~ ~~[illegible]~~ ~~to~~ ~~[illegible]~~ and CAS promotion guidelines were discussed in detail by IQAC Convenor Prof. Priyanka Singh.

Prof. Sanjay Kumar Rastogi and Dr. Ajit Kumar Maurya provided guidance on the effective use of the Samarth Portal. Prof. Rakesh Kumar and Dr. Alok Yadav explained the procedures related to the UP Praman Portal.

In his presidential address, Prof. S.S. Rawat emphasized the importance of research, innovation, transparency and continuous quality improvements for institutional progress.

The workshop concluded successfully with the presence of all faculty members.

(Prof Priyansha Singh)
IQAC Convenor

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में कार्यशाला का आयोजन

हुकूमत एक्सप्रेस

मुरादाबाद। हिन्दू कॉलेज, मुरादाबाद में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) के तत्वावधान में एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में कदअउ, आईपीआर (बौद्धिक संपदा अधिकार), समर्थ पोर्टल तथा UP-PRAMAN से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम के दौरान सीएएस (CAS) के अंतर्गत प्रोन्नति से संबंधित नियमों एवं प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं संस्थागत रैंकिंग को और बेहतर बनाने के लिए भावी योजनाओं एवं रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया गया। आईपीआर के अंतर्गत कॉपीराइट, शोध प्रकाशन, पेटेंट एवं अकादमिक नवाचार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी प्रकाश डाला गया।

IQAC की संयोजिका प्रो. प्रियांशा सिंह ने गुणवत्ता उन्नयन की दिशा में प्रकोष्ठ की भूमिका स्पष्ट की। समर्थ पोर्टल के संयोजक प्रो. संजय कुमार रस्तोगी एवं डॉ. अजीत कुमार मौर्य ने डिजिटल प्रबंधन प्रणाली के प्रभावी उपयोग पर जानकारी दी। UP-PRAMAN की ओर से नोडल अधिकारी प्रो. राकेश कुमार एवं डॉ. आलोक यादव ने पोर्टल की उपयोगिता एवं आवश्यक प्रक्रियाओं पर विस्तृत चर्चा की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. एस. एस. रावत ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने कहा कि गुणवत्ता संवर्धन, शोध उन्नयन एवं पारदर्शी प्रशासनिक प्रक्रियाएं ही संस्थान की प्रगति का आधार हैं।

इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न हुई और उपस्थित सदस्यों ने इसे अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया।

शैक्षणिक रैंकिंग बेहतर बनाने को किया मंथन

मुरादाबाद। हिंदू कॉलेज में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की कार्यशाला में आईपीआर (बौद्धिक संपदा अधिकार), समर्थ पोर्टल तथा यूपी प्रमाण से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में सीएएस के अंतर्गत प्रोन्नति से संबंधित नियमों एवं प्रक्रियाओं की जानकारी प्रदान की गई। साथ ही महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं संस्थागत रैंकिंग को और बेहतर बनाने के लिए भावी योजनाओं एवं रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया गया। आईपीआर के अंतर्गत कॉपीराइट, शोध प्रकाशन, पेटेंट एवं अकादमिक नवाचार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी प्रकाश डाला गया। संयोजिका प्रो. प्रियांशा सिंह ने गुणवत्ता उन्नयन की दिशा में प्रकोष्ठ की भूमिका स्पष्ट की। समर्थ पोर्टल के संयोजक प्रो. संजय कुमार रस्तोगी एवं डॉ. अजीत कुमार मौर्य ने डिजिटल प्रबंधन प्रणाली के प्रभावी उपयोग पर जानकारी दी। इस दौरान प्राचार्य प्रो. एसएस रावत, प्रो. राकेश कुमार, डॉ. आलोक यादव आदि मौजूद रहे। ब्यूरो

बौद्धिक सम्पदा अधिकार और समर्थ पोर्टल से सम्बंधित विभिन्न विषयो पर हुई चर्चा

(सुनहरा तीर टाइम्स)

मुरादाबाद 24 फरवरी (संवाददाता)। हिन्दू कॉलेज में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में आईपीआर (बौद्धिक संपदा अधिकार), समर्थ पोर्टल तथा यू पी प्रमान से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम के दौरान सीएएस के अंतर्गत प्रोन्नति से संबंधित नियमों एवं प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं संस्थागत रैंकिंग को और बेहतर बनाने के लिए भावी योजनाओं एवं रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया गया। आईपीआर के अंतर्गत कॉपीराइट, शोध प्रकाशन, पेटेंट एवं अकादमिक नवाचार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी प्रकाश डाला गया। आई क्यूए सी की संयोजिका प्रो. प्रियांशा सिंह ने गुणवत्ता उन्नयन की दिशा में प्रकोष्ठ की भूमिका स्पष्ट की। समर्थ पोर्टल के संयोजक प्रो. संजय कुमार रस्तोगी एवं डॉ. अजीत कुमार मौर्य ने डिजिटल प्रबंधन प्रणाली के प्रभावी उपयोग पर जानकारी दी। यू पी प्रमाण की ओर से नोडल अधिकारी प्रो. राकेश कुमार एवं डॉ. आलोक यादव ने पोर्टल की उपयोगिता एवं आवश्यक प्रक्रियाओं पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. एस. एस. रावत ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने कहा कि गुणवत्ता संवर्धन, शोध उन्नयन एवं पारदर्शी प्रशासनिक प्रक्रियाएं ही संस्थान की प्रगति का आधार हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक उपस्थित रहे। कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न हुई और उपस्थित सदस्यों ने इसे अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया।